ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-12* January- 2021
Innovation The Research Concept

अलवर जिले में बढ़ता औद्योगिक विकास एवं आप्रवास

Increasing Industrial Development and Immigration In Alwar District

Paper Submission: 15/01/2021, Date of Acceptance: 26/01/2021, Date of Publication: 27/01/2021

मनोज कुमार
शोधार्थी,
भूगोल विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर (राज.) भारत

सारांश

राजस्थान राज्य का सिंहद्वार अलवर जिला राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित है। इस जिले में कुल 16 तहसील व 16 प्रशासनिक इकाईयाँ हैं जिले में भारी औद्योगिकरण की वजह के दो जिला उद्योग केन्द्र है तथा छोटे बडे 15 औद्योगिक क्षेत्र है; जिनमें सबसे महत्वपूर्ण मत्स्य, भिवाड़ी, नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र है। यह क्षेत्र औद्योगिक हब के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। इसे भारत का तीसरा सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र माना जा रहा है यहाँ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के बड़े उद्योगों की स्थापना के लिए उचित वातावरण बनाया जा रहा है।

Singhwar of Alwar district of Rajasthan state is located in the National Capital Region. There are a total of 16 tehsils and 16 administrative units in this district, due to heavy industrialization in the district, there are two district industrial centers and small towns have 15 industrial areas; The most important of which is Matsya, Bhiwadi, Neemrana Industrial Area. The region is rapidly developing into an industrial hub. It is being considered as the third largest industrial area of India, where a suitable environment is being created for the establishment of large-scale industries at the international level.

मुख्य शब्द : औद्योगिक विकास एवं आप्रवास, इंडस्ट्रीयल कोरिडोर, भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र ।

Industrial Development and Immigration, Industrial Corridor, Bhiwadi Industrial Area.

प्रस्तावना

इस क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ जापान, फ्रांस, जर्मनी, यू.एस.ए. आदि विकसित राष्ट्रों की औद्योगिक इकाईयाँ भी कार्यरत हैं। यहाँ लगभग 2500 वृहद तथा मध्यम पैमाने के उद्योग स्थापित हैं जिसमें पेप्सी, होण्डा, जगुआर, सेन्ट गोबेन, कजारिया, यूनिवर्सल बैवरीज, रिलैक्सो, हार्वेस्ट गोल्ड, महेन्द्रासेज, जापानी व कोरियाई जोन आदि वृहत औद्योगिक क्षेत्र स्थापित हो चुके हैं। इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास का प्रमुख कारण इसकी स्थिति है जो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 दिल्ली–जयपुर–अहमदाबाद रेलमार्ग व दिल्ली–मुम्बई इंडस्ट्रीयल कोरिडोर का होना है साथ ही दिल्ली से दोनों औद्योगिक क्षेत्रों का 80 किमी के दायरे में होना प्रमुख कारण है।

परिकल्पना

1. अलवर जिला एन.सी.आर में षामिल होने से औधोगिक विकास हो रहा हैं।
2. अलवर जिले में औधोगिक क्षेत्र के विकास होने से आप्रवास में वृद्वि हुई है।

शोध विधि

प्रकाशित द्वितीय ऑकड़ों को व्यवस्थित कर उद्देश्य हेतु अलवर जिले के औधोगिक क्षेत्र के आकड़ो को षामिल किया गया हैं प्रस्तुत अध्ययन राजस्थान के अलवर जिले की 14 पंचायत समिति 6 शहर व दो वृहत औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी–बहरोड़–नीमराणा व मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र अलवर को लिया गया है। जिसमें सांख्यिकीय विधियों द्वारा सहसम्बन्ध व गुणक विश्लेषण के द्वारा मानकित मूल्य तथा सह सम्बन्ध मैट्रिक्स के आधार पर भूमि उपयोग परिवतर्न स्तर ज्ञात किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय

अलवर जिला राजस्थान के उत्तरी–पूर्वी भाग में स्थित है। जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 8.38 लाख हैक्टेयर है जो राज्य के क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना वर्ष 1971 में की गई थी यह औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान का वृहद, पुराना एवं प्रतिष्ठित औद्योगिक क्षेत्र है। इस औद्योगिक

क्षेत्र में 1061 औद्योगिक इकाईयाँ स्थापित हैं। जिनमें से वर्तमान में 805 इकाईयां उत्पादक है। प्रस्तुत अध्ययन के लिए अलवर जिले का मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र को लिया गया है जो अलवर शहर से 12 किमी. पूर्व में स्थित है ।

औद्योगिक विकास एवं आप्रवास

दिल्ली, मुम्बई इंडस्ट्रियल कोरिडोर

भारत सरकार की औद्योगिक विकास परियोजना (28 जिले) के तहत इस गलियारे में राज्य जो 220 वर्ग किमी. के निवेश क्षेत्र हैं दिल्ली, पश्चिमी उत्तरी दिल्ली, दक्षिणी हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी गुजरात, पश्चिमी महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के इन्दौर से होकर गुजरेगा। इस परियोजना का मूल उद्देश्य मूलभूत ढाँचे का विनिर्माण कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करना है जिससे औद्योगिक केन्द्र की स्थापना के साथ–साथ रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

यहाँ भिवाड़ी नीमराणा, शाहजहापुर व घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र हैं। औद्योगिकरण के कारण रोजगार की अधिक संभावना व दिल्ली राजधानी क्षेत्र से जुडाव के साथ–साथ दिल्ली, भिवाड़ी रेल व सड़क मार्ग से जुड़ा होने के कारण रोजगार की अधिक संभावना विकसित हुयी जिसके कारण प्रवासी श्रमिकों की संख्या में भी वृद्धि अंकित की गयी 2011 के आंकड़ों के आधार पर प्रवासी

श्रमिकों की संख्या 48000 थी। इस प्रोजेक्ट द्वारा भिवाड़ी को वर्ल्ड क्लास सिटी के रूप में पहचान मिलेगी। यहां सभी विष्वस्तरीय सुविधाऐं मुहैया कराई जायेगी। इस प्रोजेक्ट से करीब 50000 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा तथा नॉलेज हब के रूप में यहां शैक्षणिक संस्थाओं को स्थापित किया जायेगा। इस कोरिडोर की लम्बाई 1483 किमी होगी। इस कोरिडोर का 45 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान से गुजरेगा।

नीमराणा–भिवाड़ी शुष्क बन्दरगाह के रूप में भिवाड़ी उत्तरी भारत पष्चिमी भारत से सड़क मार्ग से जुड़ जाता है जिससे विभिन्न उत्पाद का आदान–प्रदान सुचारू रूप से किया जा सकता है। यदि भारत के विभिन्न क्षेत्रों की दूरी भिवाड़ी से तुलनात्मक रूप से देखा जाये तो यहा के प्रमुख क्षेत्रों को दर्षाती है–

विभिन्न क्षेत्रों की भिवाड़ी से तुलनात्मक दूरी

स्थान		01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12
1	**शुष्क बन्दरगाह**	0	174	80	329	80	293	180	449	533	414	350	225
2	आगरा	174	0	123	450	198	210	230	589	573	240	466	345
3	अलवर	80	123	0	123	0	154	135	529	478	363	434	309
4	चंड़ीगढ़	329	450	326	0	250	570	515	130	858	584	100	362
5	दिल्ली	80	98	154	250	0	321	265	364	598	408	305	758
6	ग्वालियर	293	210	533	570	321	0	350	684	681	276	625	385
7	जयपुर	180	230	135	515	265	350	0	620	343	518	563	499
8	जालंधर	449	589	529	130	364	684	622	0	889	772	59	522
9	जोधपुर	533	573	478	858	589	681	343	889	0	849	793	747
10	कानपुर	414	240	363	584	408	276	518	772	849	0	713	421
11	लुधियाना	350	466	434	100	305	625	563	59	793	713	0	463
12	मुरादाबाद	225	345	309	362	758	385	499	522	747	421	463	0

स्रोतः परिवहन विभाग, दिल्ली।

उपुर्यक्त दूरियों का भिवाड़ी–नीमराणा से तुलनात्मक विश्लेषण करना इसलिए करना आवश्यक था जिससे इस स्थान की स्थिति की महत्ता परिलक्षित की जा सके। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रमिकों की प्रवास का भी अवलोकन किया जा सकता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. यह ज्ञात करना कि अलवर जिले में औद्योगिक विकास हैं
2. यह ज्ञात करना अलवर जिले में आप्रवास में वृद्वि हुई हैं।

अलवर औद्योगिक क्षेत्र

अलवर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित है। दिल्ली एवं हरियाणा से उद्यमी अलवर स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में रेल या सड़क मार्ग से 2 से 2.30 घण्टे में पहुंच सकता है। जिले में भारी औद्योगीकरण की वजह से दो जिला उद्योग केन्द्रों की स्थापना की गयी है।

1. जिला उद्योग केन्द्र, अलवर
2. जिला उद्योग केन्द्र, भिवाडी

जिला उद्योग केन्द्र, अलवर के क्षेत्राधिकार में 09 पंचायत समितियां उमरैण, थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, कठूमर, रैणी, रामगढ़, किशनगढ़ एवं बानसूर आती है।

जिला उद्योग केन्द्र, भिवाडी के क्षेत्राधिकार में तिजारा, कोटकासिम, नीमराणा, मुण्डावर, एवं बहरोड़ कुल पांच पंचायत समितियां आती हैं।

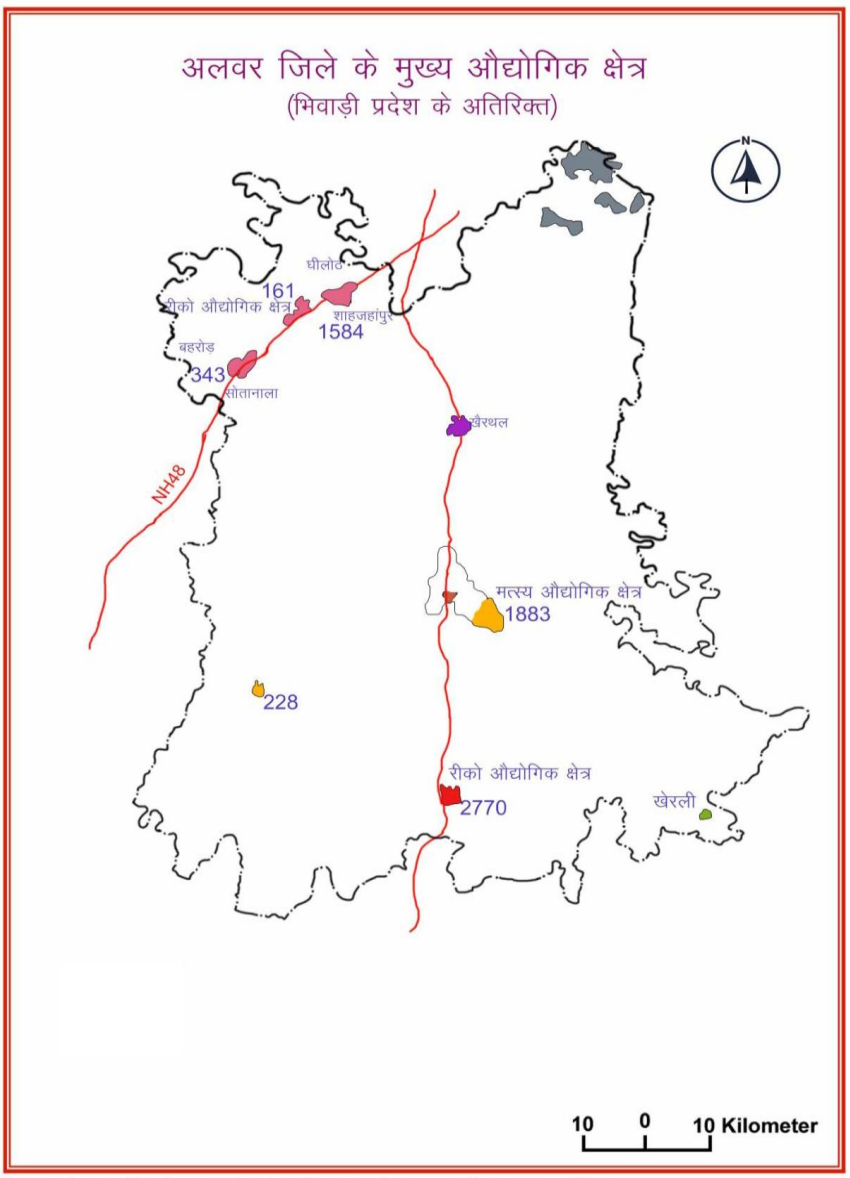

Source: Aerocet TM air monitoring data, Centre for Science and Environment, 2019

मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र

मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना वर्ष 1971 में की गई थी यह औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान का वृहद, पुराना एवं प्रतिष्ठित औद्योगिक क्षेत्र है। औद्योगिक क्षेत्र एम.आइ.ए में फूडपार्क व विस्तार सहित कुल 1193 भूखण्ड 2340.64 एकड़ भूमि पर नियोजित किये गये है। जिसमें विभिन्न माप के 1090 भूखण्ड आवंटित है।

औद्योगिक क्षेत्र एम.आइ.ए में फूडपार्क सहित में कुल 1090 औद्योगिक इकाईयां स्थापित हुई। जिनमें से वर्तमान में 893 इकाइयां उत्पादनरत है। औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित इकाईयां के प्रमुख उत्पाद मार्बल स्लेब्स एवं टाईल्स, ग्रेनाइट टाइल्स, कैमिकल, वनस्पति घी एवं ऑयल, पोटरी, सैरेमिक सेनेटरी वेयर एवं इंजीनियरिंग तथा पैकिंग मैटेरियल, गम पाउडर, पीवीसी केबल एण्ड वायर, मसाले, आईएमएफल, माइक्रो ईरिगेशन सिस्टम आदि प्रमुख है।

भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र

जिला उद्योग केन्द्र भिवाडी के क्षेत्राधिकार में तिजारा, कोटकासिम, नीमराना, मुण्डावर एवं बहरोड़ पंचायत समितियां आती है जिनमें 16 औद्योगिक स्थापित है एवं नये औद्योगिक क्षेत्र सलारपुर/बरौली एवं घीलोठ रीको द्वारा स्थापित किये जा रहे है शाहजहॉपुर के समीप डी.एम.आई.सी हेतु भूमि अवाप्त की जा रही है। इस प्रकार भिवाडी एवं नीमराना क्षेत्र में आगामी वर्षों में बड़ी संख्या में उद्योग लगेंगे। जिसमें लगभग 20000 करोड़ रू. का निवेश तथा लगभग 48000 लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। इस क्षेत्र में निम्नलिखित औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है

1. औद्योगिक क्षेत्र, भिवाडी
2. औद्योगिक क्षेत्र, रामपुर मुण्डाना
3. औद्योगिक क्षेत्र, कहरानी
4. औद्योगिक क्षेत्र, शाहजहॉपुर

5. औद्योगिक क्षेत्र, नीमराना 1
6. औद्योगिक क्षेत्र, नीमराना 2
7. औद्योगिक क्षेत्र, चौपांकी
8. औद्योगिक क्षेत्र, एनआईसी
9. औद्योगिक क्षेत्र, टपूकड़ा
10. औद्योगिक क्षेत्र, खुशखेड़ा
11. औद्योगिक क्षेत्र, पथरेड़ी
12. औद्योगिक क्षेत्र, ईपीआईपी, नीमराना
13. औद्योगिक क्षेत्र, कहरानी
14. औद्योगिक क्षेत्र, आई.आई.डी. खुशखेड़ा
15. औद्योगिक क्षेत्र, सारेखुर्द
16. औद्योगिक क्षेत्र, नीमराना जापानी जोन
17. औद्योगिक क्षेत्र, सोतानाला
18. औद्योगिक क्षेत्र, घीलोठ
19. औद्योगिक क्षेत्र, सलारपुर
20. औद्योगिक क्षेत्र, कारोली
21. औद्योगिक क्षेत्र, बहरोड

अलवर जिले में कुल श्रमिकों में प्रवास श्रमिकों की स्थिति जिले की कार्यशील एवं अकार्यशील जनसख्या (प्रतिशत में)

वर्ष	कार्यशील			सीमान्त			अकार्यशील		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
2001	43.31	18.52	31.66	9.74	25.36	17.08	46.95	56.12	51.26
2011	43.11	19.18	32.10	8.16	21.33	14.44	48.72	58.83	53.50

स्रोतः सहायक निदेशक आर्थिक सांख्यिकीय विभाग, अलवर

उपरोक्त सारणी में अध्ययन क्षेत्र में कुल श्रमिकों में प्रवासी श्रमिकों की हिस्सेदारी का विश्लेषण किया गया है। इस सारणी से स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों से सर्वाधिक है जबकि नगरीय क्षेत्रों में पुरुष महिला श्रमिकों से अधिक कार्यशील हैं।

प्रवासी और गैर प्रवासियों की व्यावसायिक संरचना

औद्योगिक प्रकार	पुरुष				महिला			
	ग्रामीण		नगरीय		ग्रामीण		नगरीय	
	गैर अप्रवासी	अप्रवासी	गैर अप्रवासी	अप्रवासी	गैर अप्रवासी	अप्रवासी	गैर अप्रवासी	अप्रवासी
प्राथमिक	65	37	7	3	76	84	10	15
विनिर्माण	8	17	22	27	12	6	28	23
सरकारी सेवायें	4	11	8	11	6	5	34	34
निर्माण सेवायें	8	10	10	9	2	2	4	6
परम्परागत सेवायें	12	20	41	33	4	2	15	15
आधुनिक सेवायें	2	5	12	16	1	1	10	8
योग	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

स्रोतः भारतीय जनगणना 2001, 2011

उपरोक्त सारणी में प्रवासी व गैर–प्रवासियों का विभिन्न कार्यों में कार्यशील जनसंख्या स्पष्ट किया गया है। यहाँ यह स्पष्ट होता है कि गैर प्रवासी अधिकतर प्राथमिक कार्य कृषि व कृषि से संबंधित कार्यों में 65 प्रतिशत अधिक संख्या में है जबकि अप्रवासियों की संख्या इस व्यवसाय में 37 प्रतिशत ही है। अप्रवासी श्रमिकों की संख्या अधिकतर परम्परागत सेवाऐं में संलग्न हैं।

निष्कर्ष

भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में तुलनात्मक रूप से अप्रवासन की समस्या अधिक बढ़ी है जिसका कारण भिवाड़ी की स्थिति व तेजी से शहरीकरण की ओर उन्मुख होना भिवाड़ी क्षेत्र में स्थानीय बाल श्रमिक 72 प्रतिशत जबकि अप्रवासी बालश्रमिक 28 प्रतिशत है। इसी प्रकार मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में 78 प्रतिशत स्थानीय जबकि 24 प्रतिशत अप्रवासी बाल श्रमिक हैं।

सुझाव

अप्रवासी श्रमिकों के आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। देखा गया है कि अधिकांश प्रवासी गंदी बस्तीयों में निवास करते हैं तथा उनके बच्चे भी बाल श्रम में लगे हुये उन्हें उचित रोजगार व आय की समय पर व्यवस्था करायी जावें।

1. खतरनाक व गैर खतरनाक उद्योगों में बालश्रम प्रतिबन्ध एवं नियमन हेतु नियमित जाँच, पड़ताल पर बल दिया जाना उचित होगा। संवैधानिक प्रावधानों के विरूद्ध बालश्रमिक नियोजन की दशा में नियोजकों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही किया जाना युक्तिसंगत होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *जिला उद्योग केन्द्र, अलवर*
2. *जिला उद्योग केन्द्र, भिवाडी*
3. *सहायक निदेशक आर्थिक सांख्यिकीय विभाग, अलवर*
4. *भारतीय जनगणना 2001, 2011*
5. *परिवहन विभाग, दिल्ली।*
6. *अग्रवाल आभा, चाइल्ड लेबर इन ग्लास इंडस्ट्री, योजना वॉल्यूम 42, 12,*